



# Vedanshi

---

22 Jul 2025

04:11 AM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121047503

लिंग \_\_\_\_\_: स्त्रीलिंग  
जन्म तिथि \_\_\_\_\_: 21-22/07/2025  
दिन \_\_\_\_\_: सोम-मंगलवार  
जन्म समय \_\_\_\_\_: 04:11:00 घंटे  
इष्ट \_\_\_\_\_: 56:26:23 घटी  
स्थान \_\_\_\_\_: Delhi  
देश \_\_\_\_\_: India

अक्षांश \_\_\_\_\_: 28:39:00 उत्तर  
रेखांश \_\_\_\_\_: 77:13:00 पूर्व  
मध्य रेखांश \_\_\_\_\_: 82:30:00 पूर्व  
स्थानिक संस्कार \_\_\_\_\_: -00:21:08 घंटे  
ग्रीष्म संस्कार \_\_\_\_\_: 00:00:00 घंटे  
स्थानिक समय \_\_\_\_\_: 03:49:52 घंटे  
वेलान्तर \_\_\_\_\_: -00:06:27 घंटे  
साम्पातिक काल \_\_\_\_\_: 23:49:39 घंटे  
सूर्योदय \_\_\_\_\_: 05:36:26 घंटे  
सूर्यास्त \_\_\_\_\_: 19:18:13 घंटे  
दिनमान \_\_\_\_\_: 13:41:47 घंटे  
सूर्य स्थिति(अयन) \_\_\_\_\_: दक्षिणायन  
सूर्य स्थिति(गोल) \_\_\_\_\_: उत्तर  
ऋतु \_\_\_\_\_: वर्षा  
सूर्य के अंश \_\_\_\_\_: 05:11:45 कर्क  
लग्न के अंश \_\_\_\_\_: 15:46:20 मिथुन

#### अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति \_\_\_\_\_: मिथुन - बुध  
राशि-स्वामी \_\_\_\_\_: वृष - शुक्र  
नक्षत्र-चरण \_\_\_\_\_: मृगशिरा - 2  
नक्षत्र स्वामी \_\_\_\_\_: मंगल  
योग \_\_\_\_\_: ध्रुव  
करण \_\_\_\_\_: तैतिल  
गण \_\_\_\_\_: देव  
योनि \_\_\_\_\_: सर्प  
नाड़ी \_\_\_\_\_: मध्य  
वर्ण \_\_\_\_\_: वैश्य  
वश्य \_\_\_\_\_: चतुष्पाद  
वर्ग \_\_\_\_\_: मृग  
युँजा \_\_\_\_\_: पूर्व  
हंसक \_\_\_\_\_: भूमि  
जन्म नामाक्षर \_\_\_\_\_: वो-वोहिनी  
पाया(राशि-नक्षत्र) \_\_\_\_\_: लौह - स्वर्ण  
सूर्य राशि(पाश्चात्य) \_\_\_\_\_: कर्क

#### Shivshakti jotish sadan

Nakshtra darpan, Mata Wali Gali, Dadri, Uttar Pradesh 203207, India  
8077312012,9412412012  
acharyaji12012@gmail.com

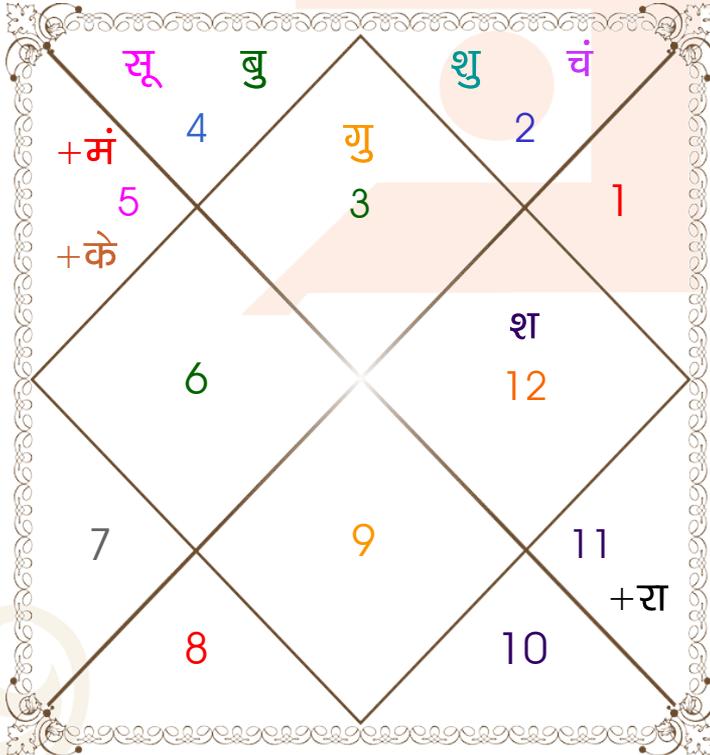
## ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	15:46:20	318:17:31	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	शुक्र	---
सूर्य			कर्क	05:11:45	00:57:18	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	शनि	मित्र राशि
चंद्र			वृष	27:34:06	14:22:09	मृगशिरा	2	5	शुक्र	मंगल	गुरु	मूलत्रिकोण
मंगल			सिंह	25:56:58	00:36:16	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	केतु	मित्र राशि
बुध	व	अ	कर्क	20:47:28	00:18:07	आश्लेषा	2	9	चंद्र	बुध	शुक्र	शत्रु राशि
गुरु			मिथु	15:18:40	00:13:14	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	शुक्र	शत्रु राशि
शुक्र			वृष	25:11:46	01:08:26	मृगशिरा	1	5	शुक्र	मंगल	राहु	स्वराशि
शनि	व		मीन	07:39:17	00:00:53	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	केतु	सम राशि
राहु	व		कुंभ	25:20:15	00:06:52	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	25:20:15	00:06:52	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	बुध	शत्रु राशि
हर्ष			वृष	06:22:40	00:02:10	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	बुध	---
नेप	व		मीन	07:53:00	00:00:32	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	केतु	---
प्लूटो	व		मक	08:27:11	00:01:25	उत्तराषाढा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
दशम भाव			मीन	02:57:59	--	पू०भाद्रपद	--	25	गुरु	गुरु	राहु	--

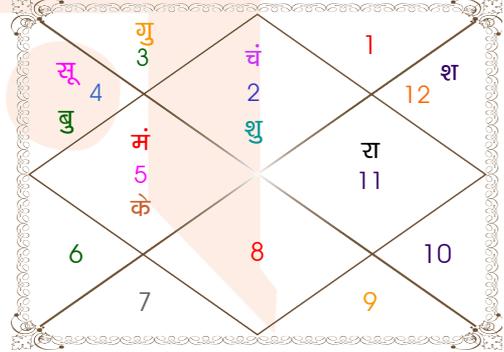
व - वकी स - स्थिर  
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त  
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:12:54

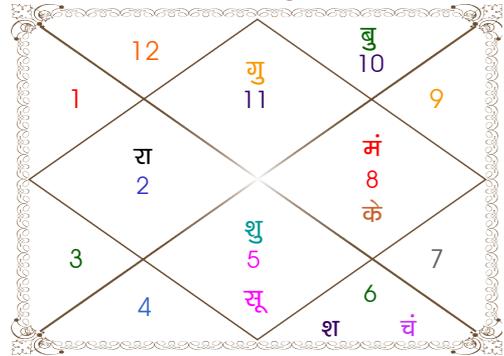
### लग्न-चलित



### चन्द्र कुंडली



### नवमांश कुंडली



**Shivshakti jotish sadan**

Nakshtra darpan, Mata Wali Gali, Dadri, Uttar Pradesh 203207, India

8077312012,9412412012

acharyaji12012@gmail.com

## विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 4 वर्ष 9 मास 9 दिन

मंगल 7 वर्ष	राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष
22/07/2025	01/05/2030	01/05/2048	01/05/2064	02/05/2083
01/05/2030	01/05/2048	01/05/2064	02/05/2083	02/05/2100
00/00/0000	राहु 12/01/2033	गुरु 19/06/2050	शनि 05/05/2067	बुध 27/09/2085
22/07/2025	गुरु 07/06/2035	शनि 30/12/2052	बुध 12/01/2070	केतु 24/09/2086
गुरु 21/09/2025	शनि 13/04/2038	बुध 07/04/2055	केतु 21/02/2071	शुक्र 25/07/2089
शनि 31/10/2026	बुध 30/10/2040	केतु 13/03/2056	शुक्र 22/04/2074	सूर्य 01/06/2090
बुध 28/10/2027	केतु 18/11/2041	शुक्र 12/11/2058	सूर्य 04/04/2075	चंद्र 31/10/2091
केतु 25/03/2028	शुक्र 18/11/2044	सूर्य 31/08/2059	चंद्र 03/11/2076	मंगल 27/10/2092
शुक्र 25/05/2029	सूर्य 12/10/2045	चंद्र 30/12/2060	मंगल 12/12/2077	राहु 17/05/2095
सूर्य 30/09/2029	चंद्र 13/04/2047	मंगल 06/12/2061	राहु 18/10/2080	गुरु 22/08/2097
चंद्र 01/05/2030	मंगल 01/05/2048	राहु 01/05/2064	गुरु 02/05/2083	शनि 02/05/2100

केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष
02/05/2100	03/05/2107	03/05/2127	02/05/2133	03/05/2143
03/05/2107	03/05/2127	02/05/2133	03/05/2143	00/00/0000
केतु 28/09/2100	शुक्र 01/09/2110	सूर्य 20/08/2127	चंद्र 02/03/2134	मंगल 29/09/2143
शुक्र 28/11/2101	सूर्य 01/09/2111	चंद्र 19/02/2128	मंगल 02/10/2134	राहु 16/10/2144
सूर्य 05/04/2102	चंद्र 02/05/2113	मंगल 26/06/2128	राहु 01/04/2136	गुरु 23/07/2145
चंद्र 04/11/2102	मंगल 02/07/2114	राहु 20/05/2129	गुरु 01/08/2137	00/00/0000
मंगल 02/04/2103	राहु 02/07/2117	गुरु 09/03/2130	शनि 03/03/2139	00/00/0000
राहु 20/04/2104	गुरु 02/03/2120	शनि 19/02/2131	बुध 01/08/2140	00/00/0000
गुरु 27/03/2105	शनि 03/05/2123	बुध 26/12/2131	केतु 02/03/2141	00/00/0000
शनि 05/05/2106	बुध 02/03/2126	केतु 02/05/2132	शुक्र 01/11/2142	00/00/0000
बुध 03/05/2107	केतु 03/05/2127	शुक्र 02/05/2133	सूर्य 03/05/2143	00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 4 वर्ष 9 मा 11 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

Shivshakti jotish sadan

Nakshtra darpan, Mata Wali Gali, Dadri, Uttar Pradesh 203207, India

8077312012, 9412412012

acharyaji12012@gmail.com

## लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के तृतीय चरण में, मिथुन लग्न, कुंभ नवमांश एवं तुला के द्रेष्काण के उदयकाल में हुआ था। वर्तमान काल के प्रभाव से यह स्पष्ट होता है कि आपका व्यक्तित्व विचित्र विलक्षणता से युक्त है। कुछ काल के पश्चात् मिथुन प्रभाव से आप तानाशाही प्रवृत्ति की हो जाएंगी। आप अपने पति पर प्रभुत्व जमाएंगी। कुंभ नवांश के प्रभाव से यह चित्रित हो रहा है कि आपका स्वभाव विनम्र होगा। आप अपने कार्य-कलाप का ज्ञान मात्र अपने ध्यान में रख कर किस प्रकार कार्य संपादन किया जाए। उसी प्रकार नियम पूर्वक संपादित करेंगी।

निसंदेह आप अपना पारिवारिक जीवन शांति पूर्वक एवं आनंददायक ढंग से बिताना चाहती हैं। आप अपने निवास स्थान पर रह कर, अपने व्यवसाय संबंध स्थापित करना चाहती हैं। आप चाहती हैं कि आपके पति आपकी वासनात्मक प्रवृत्ति की अनदेखी कर दे। यदि जीवन संगी निष्ठुरता पूर्वक आपमें कुकृत्यों को प्रमाणित कर लें तथा उग्र रूप धारण कर ले। पुनः आप अपने चयनित जीवन को व्यवस्थित कर लेंगे, वही उत्तम होगा। इसके संबंध में आपको अधिक सावधानी पूर्वक व्यवहार करना चाहिए। अच्छी बात तो यह होगी यदि आप चाहते हैं कि मेरे पति जीवन साथी सर्वोत्कृष्ट हो, तो आप उस राशि लग्न वालों के साथ संबंध स्थापित करें कि जिसका जन्म लग्न या राशि तुला मेष, सिंह अथवा कुंभ राशि का प्राणी हो। इस प्रकार की प्रवृत्ति आपके पारिवारिक जीवन को संतुलित रखने में सुनिश्चितता प्रदान करने में सहायक हो सकती है।

बहुधा आर्द्रा नक्षत्रीय प्राणी की प्रवृत्ति हिंसात्मक होती है और ये कृतघ्न हुआ करते हैं। ये अनैतिकता एवं दूसरों को पीड़ित करने की प्रवृत्ति को त्याग दें। अन्यथा इस प्रकार के रुझान को सुव्यवस्थित नहीं कर सके तो प्रोत्साहन के बिना सदैव ही बहुत अधिक धनोपार्जन की महत्वाकांक्षा समाप्त हो जाएगी।

मिथुन राशि का प्राणी निरंतर व्यग्र रहता है, यह एक आवश्यक विषय है। ये किसी भी विषय वस्तु की प्राप्ति हेतु विद्युत गति से कार्यरंभ करना चाहते हैं। ये अपनी योजना का कार्यान्वयन करते हैं। ये अपनी योजना का कार्यान्वयन करते ही शीघ्रता पूर्वक परिणम प्राप्त करना चाहते हैं। ये अपनी दिनचर्या, विधि एवं विधान के संपादन हेतु अपने समय का उपभोग नहीं कर पाते हैं। अनुकूल परिणाम प्राप्ति हेतु निश्चय पूर्वक अपनी नियमित आदतों के अनुसार व्यवसाय को परिवर्तितकर शीघ्रता पूर्वक लाभ प्राप्त करना चाहते हैं। ये किसी भी प्रकार को निश्चित कार्य या पद संभालने में तथा कार्यरूप देने में असमर्थ हो जाते हैं।

यदि ये इस प्रकार की अपनी बुरी आदतों को छोड़ दें तो मुख्यतः 26 वर्ष की आयु से अपने उज्ज्वल भविष्य की ओर अपने जीवन को अग्रसर कर सकते हैं। अर्थात् अच्छी प्रकार जीवन व्यतीत हो सकता है।

मिथुन लग्न राशि प्रभावित प्राणी के लिए अनुकूल कार्य, सेवा अथवा व्यवसाय के लिए पुस्तक संबंधी कार्य, विज्ञापन एवं प्रचार-प्रसार कार्य व्यवसाय अनुकूल है। यदि ये इनमें से

कोई भी कार्य अपना लें तो वे पूर्णरूपेण उन्नतिशील एवं समृद्ध हो सकते हैं।

मिथुन राशि वालों को कुछ भयानक रोग जैसे स्वर भंग रोग, क्षय रोग, दमा आदि रोगों के विरुद्ध सतर्क एवं रक्षित रहना चाहिए।

ऐसे व्यक्ति यदा-कदा मुर्छित हो जाते हैं। क्योंकि ये एकनिष्ट होकर कठिन श्रम करते-करते उत्तेजना पूर्वक जीवन बिताने लगते हैं। इन्हें बुद्धिमत्ता पूर्वक शांति ग्रहण कर पूर्ण रूपेण विश्राम एवं शयन करना चाहिए।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल है, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंक 3 एवं 5 अंक शुभ एवं उत्तम है। अंक 8 एवं 4 अंक त्याज्यनीय है।

साथ ही लाल रंग एवं काले रंग को अस्वीकृत करें। यद्यपि रंग बैगनी, नीला हरा एवं पीला रंग आपके लिए अनुकूल एवं व्यवहारणीय है।

